तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री

न्यूनतम 15.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, गुरुवार 22 जनवरी 2026

13 बस्तर पंडुम बना समरसता और संस्कृति का उत्सव

14 आदिवासी विश्राम भवन का अधूरा निर्माण बड़ी समस्या

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य अधिकारियों का हुआ फाइलेरिया प्रशिक्षण

जगदलपुर। बस्तर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय बसाक एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसएस टेकाम के निर्देश व खण्ड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का प्रशिक्षण हुआ। इसमें राज्य पीसी आई इंडिया के स्टेट को अर्डिनेटर मुख्तार अंसारी एवं असिसटेंट स्टेट को आर्डिनेटर रोहित कुमार ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में फाईलेरिया के लक्षण बचाव व उपचार के संबंध में बताया कि फाईलेरिया हाथी पांव क्यूलेक्स मच्छर के काटने ने होता है। यह संक्रमित मच्छर के काटने के 10 से 15 वर्ष के बाद यह बिमारी का पता चलता है। इस दवा का सेवन एक वर्ष से कम व गर्भवती माताओं को नहीं कराया जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियो को अपने-अपने क्षेत्रों ने जनजागरुकता फैलाने नारालेखन सुनिश्चित कराने व रोगियों की पहचान करने की जिन्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियो ने अपने क्षेत्र को फाईलेरिया मुक्त बनाने का संकलप लिया। यह अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलाया जाएगा, जिसने स्वास्थ्य विभाग के ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व मितानीन के द्वारा अपने सामने दवा सेवन करायी जायेगी।

जिला स्तरीय इंडिया स्किल स्पर्धा, ऑनलाइन हुई परीक्षा

दंतेवाड़ा। जिला कौशल विकास प्राधिकरण दंतेवाड़ा द्वारा एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी में जिला स्तरीय इंडिया स्किल प्रतियोगिता की ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 19 विभिन्न सेक्टरों से जिले के 124 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी सेक्टरों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय परीक्षा संचालन हेतु सहायक संचालक कौशल विकास, रोजगार अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को विभिन्न ट्रेडों में अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला, जिससे उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भविष्य में रोजगार के नए अवसरों की संभावनाएं बढ़ेंगी।

गोवा में बस्तर की गूंज नेशनल बैडमिंटन में 8 खिलाड़ियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

खेल प्रतिभाओं की धरती बस्तर ने एक बार फिर अपने जज्बे और मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस बैडमिंटन प्रतियोगिता 15 से 21 फरवरी 2026 तक गोवा में आयोजित की जा रही है,जिसके लिए छत्तीसगढ़ टीम का चयन 20 फरवरी को रायपुर में हुए ट्रायल के माध्यम से किया गया। इस ट्रायल में पूरे प्रदेश से 250 से अधिक महिला एवं पुरुष खिलाड़ी शामिल हुए, जहां से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद 25 खिलाड़ियों की टीम का गठन किया गया। इस चयन में बस्तर के 8 खिलाड़ियों का जगह बनाना न केवल जिले के लिए बल्कि पूरे संभाग के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद बस्तर के खिलाड़ी अपने जुनून और अनुशासन के बल पर राष्ट्रीय मंच तक पहुंच बना रहे हैं। इनमें से 6 खिलाड़ी राज्य सरकार की ओर से और 2 खिलाड़ी केंद्र सरकार की ओर से चयनित हुए हैं, जो इस सफलता को और भी विशेष बनाता है।

खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों का मानना है कि यह चयन आने वाले समय में बस्तर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। इससे न केवल बैडमिंटन बल्कि अन्य खेलों में भी नई ऊर्जा और विश्वास का संचार होगा। बस्तर जिला बैडमिंटन संघ ने इसे सामूहिक मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम बताते हुए खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। ओपन, 40+ और 50+ वर्ग में चयनित सभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया है कि उम्र और संसाधन कभी भी प्रतिभा के आड़े नहीं आते,अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर। इन खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ टीम में स्थान बनाकर बस्तर का नाम रोशन किया। ओपन वर्ग में हितेश तिवारी, शेख अब्दुल हलीम, अभिजीत गोड्डे,हेमंत भगत,बीएस ध्रुव; 40+ वर्ग में नितेश महंत,और 50+ वर्ग में डॉ. बी प्रकाश मूर्ति तथा डॉ रॉबर्टसन कोशी।

खास बातें

- ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का दबदबा, बस्तर से रिकॉर्ड प्रतिनिधित्व
- 250 से अधिक खिलाड़ियों के बीच कठिन चयन प्रक्रिया
- 25 में जगह बनाना बड़ी उपलब्धि

बस्तर की मेहनत, राष्ट्रीय मंच पर पहचान

रायपुर में हुए ट्रायल में प्रदेशभर के 250 से अधिक खिलाड़ियों के बीच बस्तर के 8 खिलाड़ियों का चयन यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र अब केवल सांस्कृतिक ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं के लिए भी जाना जा रहा है। राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर प्रतिनिधित्व मिलना इस बात का संकेत है कि बस्तर के खिलाड़ी तकनीक, फिटनेस और मानसिक मजबूती में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। यह उपलब्धि आने वाले वर्षों में खेल अकादमियों, प्रशिक्षण सुविधाओं और युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आधार बनेगी।

सड़क दुर्घटना : परपा थाना क्षेत्र के देउरगांव के करीब हादसा

बोलेरो, बाइक व टैक्सी में टक्कर बुजुर्ग और बच्चों समेत नौ घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जिले के अलग अलग क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात चित्रकोट मार्ग स्थित देउरगांव के करीब हुए सड़क हादसे में बुजुर्ग व बच्चों समेत नौ लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है।

- घायलों को उपचार के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में कराया भर्ती

जानकारी के मुताबिक एक बार फिर वाहन चालको द्वारा तेज रफ्तार व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाना हादसे की वजह बनी। देऊरगांव के करीब बोलेरो वाहन के चालक ने टैक्सी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सड़क पर चल रहा एक बाइक सवार भी उसकी चपेट में आ गया। इस हादसे में टैक्सी में सवार महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कुल 9 लोग घायल हो गए। अंधेरा होने की वजह से हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बाहर निकाला गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज डिमरापाल रेफर कर दिया गया जहां सभी घायलों का उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बोलेरो की रफ्तार काफी तेज थी और चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ।

लापरवाह चालक की पिटाई

लगातार हो रहे सड़क हादसों से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा भी मौके पर फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने बोलेरो चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। स्थिति बिगड़ती देख बोलेरो चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परपा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने भीड़ को शांत कराया और घायलों के इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया गया।

इसी मार्ग में टाकरागुड़ा के करीब चार दिन पूर्व भी हादसे में एक की मौत हो गई थी, वहीं कई घायल हो गए थे। इस हादसे की वजह भी तेज रफ्तार व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाना रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए बेलगाम वाहन चालाकों के रफ्तार को कम करने नियमित पेट्रोलिंग की मांग की है।

4 महीने बाद शुरू हुई पामेड़ तक बस सेवा, ग्रामीणों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित बीजापुर जिला मुख्यालय से पामेड़ बस अगस्त माह में हुई बारिश एवं बाढ़ के चलते बंद हो गई थी, जिससे क्षेत्र के लगभग 15 गांव के ग्रामीणों भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लगभग 4 माह बाद पामेड़ बस शुरू होने से ग्रामीणों को राहत मिली।

- 9 बस बंद होने से 15 गांव के ग्रामीणों को हो रही थी परेशानी

बताया जा रहा है कि बीजापुर जिला मुख्यालय से सुबह पामेड़ के लिए जाने वाली बस आवापल्ली, बासागुड़ा, तररेम, चित्रागेल्लूर, गुंडेम, कोंडापल्ली, जीडपल्ली, करवगट्टा और धमार्राम होते हुए पामेड़ पहुंच रही है, जिसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करने लगे हैं। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर बसा उसूर ब्लॉक के पामेड़ समेत उस इलाके के 7 ग्राम पंचायतों सहित पूरे इलाके में बस की सुविधा मिल रही है। इस बस के संचालन के चलते अब उन इलाकों के ग्रामीणों को तेलंगाना से होते हुए अपने गांव जाने की जहमत नहीं उठानी पड़ रही है, बल्कि बीजापुर से सीधे पामेड़ पहुंच रहे हैं। बस सेवा से 15 गांव के सैकड़ों ग्रामीणों को सुविधा मिल रही है। पामेड़, जो जिला मुख्यालय से सीधे जुड़ा नहीं था, अब पहली बार सड़क मार्ग से पहुंच योग्य हो गया है। पहले इस गांव तक पहुंचने के लिए तेलंगाना के रास्ते लगभग 200 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता था। अब दूरी घटकर 100 किमी रह गई है। पिछले 50 सालों में यह पहली बार है, जब इस क्षेत्र में यात्री बस सेवा शुरू हुई है।

बारिश के चलते बंद रही बस

संयुक्त कलेक्टर एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि बारिश के चलते पामेड़ तक यात्री बस बंद हुई थी, लेकिन अब यह बस चल रही है।

कांग्रेस का आरोप, शाही स्नान से रोकना सनातन पर हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर बस्तर में सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस घटना को सनातन परंपरा और धार्मिक मर्यादाओं पर सीधा प्रहार बताते हुए भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

- प्रयागराज माघ मेले की घटना पर भाजपा सरकार को घेरा

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य का कहना है कि शंकराचार्य पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं। यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड परंपरा से रोका गया। मौनी अमावस्या का शाही स्नान सदियों पुरानी परंपरा है, जिसे न मुगलों ने रोका और न ही अंग्रेजों ने, फिर आज किसी सरकार को इसे बाधित करने का दुस्साहस कैसे हुआ यह बड़ा सवाल है। मौर्य ने यह भी आरोप लगाया कि शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की गई,उनके शिष्यों को अपमानित किया गया और उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका जतानी पड़ी। पार्टी का कहना है कि भाजपा सरकार स्वयं को हिंदुओं का रक्षक बताती है,लेकिन व्यवहार इसके उलट दिखाई दे रहा है। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा,महाकुंभ की व्यवस्थाओं और सामाजिक मुद्दों पर सवाल उठाने की वजह से ⏭ शेष पेज 12 पर

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष जागरुकता कार्यक्रम

दंतेवाड़ा। राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग ने 15 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्री-मेट्रिक कन्या हाई स्कूल भूसारास में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण सिंह नागेश एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी तनूजा बेलसरिया के निर्देश में जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं को लैंगिक समानता, लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने तथा सही पोषण के लिए संतुलित आहार अपनाने, फोलिक एसिड टैबलेट, आयरन तथा कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों के महत्व पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए एनीमिया की ⏭ शेष पेज 12 पर

हादसों में घायलों व जरुरतमदों के लिए अफसर समेत जवानों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने के बाद समय पर रक्त नहीं मिलने से असमय लोगों की जान चली जाती है। इसे देखते हुए घायलों व अन्य जरूरतमदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके और उनकी अमूल्य जीवन को बचाई जा सके इसी उद्देश्य से बुधवार को पुलिस विभाग के अफसर व जवानों समेत अन्य ने रक्त दान किया। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं का एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने प्रशस्ती पत्र देकर किया सम्मानित किया।

- नए रक्तदाताओं का पुलिस कप्तान ने प्रशस्ती पत्र देकर किया सम्मान

बस्तर पुलिस द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में पुलिस व यातायात विभाग के जवानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और 39 यूनिट रक्त जरुरतमदों के लिए दान किया।

एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश व एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन व यातायात डीएसपी सतोंष जैन के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस द्वारा निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। कुछ समय पूर्व ही रक्तदान कर चुके एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने सभी रक्तदाताओं की प्रशंसा कर आगे भी मानव सेवा के हित से जुड़े कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों से चर्चा में एसपी ने कहा कि ⏭ शेष पेज 12 पर

दलपत सागर दीपोत्सव में पतंजलि योग परिवार की अभिनव पहल

पतंजलि नगर के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए कटिबद्ध : डॉ. मनोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

दलपत सागर दीपोत्सव को इस वर्ष ऐतिहासिक और प्रेरणादायी स्वरूप देने की दिशा में पतंजलि योग परिवार जगदलपुर द्वारा एक अनूठी पहल की जा रही है। पतंजलि योग समिति से जुड़े नगरभर में संचालित 40 से अधिक नियमित योग कक्षाओं के साधकों ने अपने-अपने घरों तथा सामूहिक रूप से एक लाख 11 हजार से अधिक दीप-बत्तियों का निर्माण पूर्ण कर लिया है। विशेष बात यह है कि इनमें से एक लाख दीप पूरी तरह साधकों द्वारा अपने हाथों से बनाए गए हैं,जो सामाजिक सहभागिता और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण बन चुके हैं।

- नगरभर के योग साधकों ने घर-घर और सामूहिक रूप से रचा सामाजिक सहभागिता का नया अध्याय

यह पहल न केवल दीपोत्सव को भव्य बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है,बल्कि समाज में स्वास्थ्य,स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाने का माध्यम भी बन रही है।

बच्चे,महिलाएं और पुरुष सभी वर्गों ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई है। नगरभर में इस प्रयास की चर्चा हो रही है और लोग इसे अनुकरणीय उदाहरण के रूप में देख रहे हैं।

पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी डॉ. मनोज पानीग्राही ने कहा कि पतंजलि परिवार पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को स्वस्थ बनाना और पर्यावरण को स्वच्छ रखना पतंजलि का मूल संकल्प है,और इसी भावना के साथ यह पहल भी की जा रही है। दलपत दीपोत्सव को लेकर कलेक्ट्रेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा ने पतंजलि योग समिति की इस प्रत्यक्ष सहभागिता और समर्पण की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। वहीं बस्तर कलेक्टर और महापौर ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे सामूहिक चेतना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस पुनीत कार्य में पतंजलि की सभी नियमित योग कक्षाओं के प्रमुखों का सहयोग मिल रहा है। साधकों ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि उनके हाथों से बने दीपों से दलपत सागर का जगमगाना हम सभी के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है।इस निर्माण कार्य का नेतृत्व मंजु लुकंड,मनोज चंद्रा,जितेंद्र मिश्रा,रवींद्र हेमनानी और वैभव यादव ने किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा,बस्तर कलेक्टर हरिस एस और महापौर संजय पाण्डे ने भी इस पहल की सराहना की।

सेवा, साधना और सहभागिता का संगम

पतंजलि योग परिवार द्वारा दलपत सागर दीपोत्सव के लिए किए जा रहे इस दीप निर्माण अभियान ने सामाजिक एकजुटता का नया उदाहरण पेश किया है। नगरभर के साधकों ने न केवल अपने घरों में, बल्कि सामूहिक रूप से मिलकर दीप बनाए, जिससे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और स्वदेशी भावना का संदेश भी गया। यह पहल स्वास्थ्य, स्वच्छता और सांस्कृतिक मूल्यों को एक साथ जोड़ती है। साधकों का मानना है कि यह केवल दीपोत्सव नहीं, बल्कि सेवा और साधना का उत्सव है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

गंगामुंडा बस्ती में उमड़ा सामाजिक चेतना का सैलाब, हिंदू सम्मेलन बना एकता का मंच

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

गंगा मुंडा बस्ती में 18 जनवरी को आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन क्षेत्र में सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक जागरुकता का प्रतीक बनकर उभरा। बड़ी संख्या में समाजजन, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

- युवाओं को धर्म संस्कार और राष्ट्रहित से जुड़ने का दिया गया संदेश

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज की एकता को मजबूत करना, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करना और सामाजिक समरसता को नई दिशा देना रहा। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि संगठित समाज ही सशक्त समाज की पहचान है। उन्होंने परंपराओं को आत्मसात करने, अपनी विरासत को सहेजने और सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति पाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में युवाओं को विशेष रूप से संदेश दिया गया कि वे धर्म,संस्कार और राष्ट्रहित के मार्ग पर आगे बढ़ें तथा समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। सम्मेलन शांतिपूर्ण, अनुशासित और सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ,जिससे ⏭ शेष पेज 12 पर

खबर संक्षेप

दिव्यांग मलसाय को मिली मोटराइज्ड ट्राइसिकल व बस पास

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रें से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। जनदर्शन के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन के दौरान विकासखण्ड माकड़ी के ग्राम सोड़मा निवासी दिव्यांग मलसाय नेताम को मोटराइज्ड ट्राइसिकल एवं बस पास प्रदान किया गया। मलसाय 12वीं कक्षा उत्तीर्ण हैं, किन्तु हाथ–पैर साथ न देने के कारण वे भारी कार्य करने में असमर्थ हैं। शारीरिक असमर्थता के बावजूद मलसाय नेताम ने हिम्मत नहीं हारी और मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्राप्त करने के लिए जनदर्शन में आवेदन किया। आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। मोटराइज्ड ट्राइसिकल मिलने पर मलसाय नेताम ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें बाजार से सब्जी, किराना सामान लाने सहित परिवार के दैनिक कार्यों में काफी सुविधा मिलेगी। इपर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर, समाज कल्याण उप संचालक ललिता लकड़ा एवं जिला परिवहन अधिकारी अतुल असैया उपस्थित रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं व संचालित निर्माण कार्यों के प्रगति की कलेक्टर ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय–सीमा की बैठक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जिले में संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से हो तथा निर्माण कार्यों में गति लाई जाए। उन्होंने गणतंत्र दिवस को गरिमामयी ढंग से आयोजित करने के लिए आवश्यक व्यवसुनिश्चित करने एवं झांकी तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों को विशेष निर्देश दिए।.

गणतंत्र दिवस के गरिमामयी आयोजन को लेकर दिए निर्देश

फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत, वयवंदन योजना, जनमन योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल जीवन मिशन सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग को सख्त निर्देश

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान अपार आईडी निर्माण एवं अन्य कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर संबंधित बीईओ को कार्यों में तेजी लाने एवं अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के सख्त निर्देश दिए गए।

धान खरीदी एवं उठाव कार्य की समीक्षा

बैठक में कलेक्टर ने धान खरीदी की प्रगति एवं उठाव कार्य की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोई भी पंजीकृत किसान धान विक्रय से वंचित न रहे। साथ ही उठाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लखपति दीदी पहल की प्रगति की जानकारी लेते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने पर जोर दिया। साथ ही दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रें में बीसी सखी के माध्यम से बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफओ कोण्डागांव चुड़ामणि सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्या : अबूझमाड़ के ग्रामीण 50-60 किमी पैदल चलकर भी लौट रहे मायूस

ओरछा जनपद कार्यालय में अधिकारियों की गैरमौजूदगी से ग्रामीणों की बढ़ी मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

■ जनप्रतिनिधियों ने वन मंत्री व कलेक्टर से की स्थायी पदस्थापना की मांग

नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक मुख्यालय में जनपद पंचायत ओरछा का कार्यालय संचालित है। यह कार्यालय विशेष रूप से अबूझमाड़ क्षेत्र के दूरस्थ और पहुंचविहीन गांवों के ग्रामीणों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही उनके लिए सबसे नजदीकी प्रशासनिक केंद्र है। बावजूद इसके, जनपद कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों की लगातार गैरमौजूदगी ग्रामीणों की परेशानियों को और बढ़ा रही है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीण कई-कई किलोमीटर पैदल चलकर यहां पहुंचते हैं, लेकिन काम नहीं होने पर उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है।

अबूझमाड़ के कई गांवों से ग्रामीण अपने शासकीय कार्यों—जैसे राशन कार्ड, पेंशन, नाम जोड़ने या हटाने, प्रमाण पत्र आदि—के लिए 50 से 60 किलोमीटर का सफर पैदल तय कर ओरछा पहुंचते हैं। यह सफर उनके

लिए न केवल शारीरिक रूप से कठिन होता है, बल्कि आर्थिक रूप से भी भारी पड़ता है। ओरछा पहुंचने के बाद यदि अधिकारी मौजूद न हों, तो उन्हें मजबूरी में 65 किलोमीटर दूर नारायणपुर जिला मुख्यालय जाना पड़ता है, जिससे समय, पैसा और श्रम तीनों का नुकसान होता है। रुकने, खाने-पीने और आने-जाने की व्यवस्था करना गरीब ग्रामीणों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

जनपद पंचायत ओरछा के अध्यक्ष नरेश कोर्राम ने इस गंभीर समस्या को लेकर वन मंत्री केदार कश्यप और जिला कलेक्टर से मांग की थी कि जनपद पंचायत ओरछा के शासकीय कार्यालय को नियमित रूप से संचालित करने के लिए अधिकारियों की पदस्थापना ओरछा में की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में जनपद कार्यालय का अधिकांश कामकाज नारायणपुर जिला मुख्यालय से ही किया जा रहा है, जिसका खामियाजा अबूझमाड़ के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों के लिए बुधवार का दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी दिन ओरछा में साप्ताहिक बाजार लगता है। इस दिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी रोजमर्रा की जरूरतों का सामान, शासकीय राशन लेने के साथ-साथ अपने शासकीय काम भी निपटाने आते हैं। लेकिन जब कार्यालय में अधिकारी ही मौजूद नहीं होते, तो उनके सारे प्रयास बेकार चले जाते हैं और काम जस का तस रह जाता है।

निर्देश के बाद भी मनमानी

हालांकि जिला कलेक्टर द्वारा ओरछा मुख्यालय में सप्ताह में तीन दिन कार्यालय संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद अधिकारी अपनी मनमानी करते हुए जिला मुख्यालय से ही कार्यों का संपादन कर रहे हैं। इस स्थिति को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

ग्रामीणों की पीड़ा

थूलथूली गांव से पैदल चलकर ओरछा पहुंचे श्यामलाल मंडावी ने बताया कि वे राशन कार्ड से नाम कटवाने जनपद कार्यालय आए थे, लेकिन यहां कोई भी अधिकारी या बाबू मौजूद नहीं मिला। अब उन्हें नारायणपुर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जब यहां कार्यालय है ही, तो उसका मतलब तभी है जब अधिकारी भी यहां मौजूद रहें। हर छोटे काम के लिए जिला मुख्यालय आना-जाना बहुत परेशानी भरा है, जिस पर सरकार को गंभीरता से कदम उठाना चाहिए।ग्रामीणों की मांग है कि ओरछा जनपद कार्यालय को वास्तव में सक्रिय बनाया जाए, ताकि अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र के लोगों को उनका हक और सुविधा अपने नजदीकी केंद्र पर ही मिल सके।

ग्राम खड़का के किसान परिवार का बेटा संजू बना बीएसएफ जवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

■ एसएससी जीडी परीक्षा में चयन, नि:शुल्क लक्ष्य कोचिंग से मिली सफलता

कोण्डागांव जिले के ग्राम खड़का निवासी संजू मरकाम ने वर्ष 2024-25 में एसएससी जीडी परीक्षा के माध्यम से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। संजू की यह सफलता कठिन परिश्रम, मजबूत इच्छाशक्ति और जिला प्रशासन द्वारा संचालित नि:शुल्क लक्ष्य कोचिंग संस्थान के मार्गदर्शन का परिणाम है।

संजू मरकाम किसान परिवार से आते हैं। उनके माता-पिता पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अपने बेटे की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी। संजू ने अर्थशास्त्र (इकोनॉमिक्स) में मास्टर डिग्री तक पढ़ाई की है। बचपन से ही वे खेती-किसानी में अपने पिता का हाथ बंटाते रहे, साथ ही मन में देशसेवा का सपना संजोए रहे। संजू बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही वर्दी से विशेष लगाव रहा है। जब भी किसी वर्दीधारी को देखते थे, तो उनके जैसा बनने का सपना देखते थे।

नि:शुल्क कोचिंग संस्था है एक सराहनीय पहल: संजू –संजू अपनी सफलता का श्रेय जिला प्रशासन द्वारा संचालित नि:शुल्क लक्ष्य कोचिंग संस्था, अपने माता-पिता, भाई-बहनों और परिवार के सहयोग को देते हैं। वे लक्ष्य कोचिंग संस्थान के पहले बैच के छात्र रहे हैं। प्रवेश परीक्षा में उन्होंने 19वां स्थान प्राप्त किया था। कोचिंग ज्वाइन करने के बाद उन्होंने लगातार मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ तैयारी की। संजू ने कहा कि यह नि:शुल्क कोचिंग संस्था जिले के युवाओं के सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम है। पहले जिले के युवाओं को रायपुर या बिलासपुर जाकर महंगी कोचिंग ज्वाइन करनी पड़ती थी, लेकिन अब शासन द्वारा जिले में ही गुणवत्तापूर्ण नि:शुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही है, जो सराहनीय पहल है।

1 फरवरी को होगी छग शिक्षक पात्रता परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

छत्तीसगढ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन 1 फरवरी 2026 को जिले में किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु अभ्यर्थी शामिल होंगे। द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 3.00 बजे से 5.45 बजे तक होगी, जिसमें माध्यमिक कक्षाओं के लिए अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा की नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री रश्मि पोया ने बताया कि कोण्डागांव जिले से प्रथम पाली में 2840 तथा द्वितीय पाली में 4108 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इस प्रकार जिले में कुल 6948 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु जिले में प्रथम पाली के लिए 10 परीक्षा केंद्र एवं द्वितीय पाली के लिए 16 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

परीक्षा केंद्र एक दिन पूर्व देखने के निर्देश: व्यापम द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केंद्र का अवलोकन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा न हो।

परीक्षा से 2 घंटे पूर्व केंद्र पहुंचना अनिवार्य: अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। प्रथम पाली के लिए मुख्य द्वार सुबह 9.00 बजे तथा द्वितीय पाली के लिए दोपहर 2.30 बजे बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह के कपड़े पहनकर आने के निर्देश दिए गए हैं। काले, गहरे नीले, हरे, जामुनी, मैरून, बैंगनी एवं गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर बिना पॉकेट की अनुमति होगी, जिसे सुरक्षा जांच के समय उतारना अनिवार्य होगा।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित: परीक्षा कक्ष में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, बेल्ट, टोपी, स्कार्फ, संचार उपकरण आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। फुटवियर के रूप में चप्पल पहनकर आने के निर्देश दिए गए हैं।

अनुचित साधनों पर होगी कठोर कार्रवाई: परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर अभ्यर्थिता समाप्त करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। परीक्षार्थी केवल काले या नीले बॉल प्वाइंट पेन के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर सकेंगे।

धनौरा में विराट सनातन संगम, हजारों की भागीदारी से गूंजा, एकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

ग्राम धनौरा में विराट सनातन संगम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न समाजों के प्रमुखों, संतों और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य सनातन समाज को एक सूत्र में बांधते हुए सामाजिक एकता, भाईचारे और बढ़ते मतांतरण पर चिंतन करना रहा। आयोजन में हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और युवा उत्साहपूर्वक सहभागी बने।

आयोजन में सभी समाज के प्रमुखों मे क्रमशः गोरख नाथ बघेल, धनीराम पोटाई, सरादू राम कश्यप, पुरुषोत्तम कुलदीप, सम्पत नाग, दीपेश सेठिया, सुरेन्द्र नेगी, सिया राम यादव, राम चंद यादव, कृष्णा यदु, जददू नाथ पटेल, कान्तु पोयाम, मोती राम पारदी, सुखनदन कौशिक, संतोष उइके, मनबोध सिंह, गोतम साहू, लोकनाथ राठौर, बीजो नाग की भागीदारी रही। सनातन संगम में समाज प्रमुखो का सम्मान बालक भगवान ने किया जिसके बाद कुछ समाज प्रमुखों ने अपना अपना उद्बोधन दिया। सभी समाज प्रमुखों ने जाति भेदभाव को समाप्त कर आपसी स

द्भाव के साथ रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही बढ़ते मतांतरण और धर्मांतरण पर चिंता व्यक्त करते हुए मतांतरित भाई-बहनों की पुनः सनातन धर्म में वापसी की आवश्यकता बताई गई। स्वागत भाषण में सामाजिक कार्यकर्ता रोहित कोडोपी ने कहा कि इस संगम का उद्देश्य गांव स्तर पर सभी समाजों को एक साथ बैठाकर एकता को मजबूत करना और समाज में फैल रही विकृतियों पर सामूहिक समाधान निकालना है।

सनातन विकास परिषद के संभागीय अध्यक्ष लोकेश गायकवाड़ ने कहा कि अयोध्या में भगवान रामलला के विराजमान होने के बाद भी सनातन समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने गौ माता की सेवा हेतु महराज जी का आभार व्यक्त करते हुए अंग्रेजी पर्वों के अंधानुकरण पर प्रश्न उठाया। मुख्य वक्ता पाटेश्वरधाम के बालकदास महाराज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि "बटोगे तो घटोगे", इसलिए संगठित रहना समय की मांग है और हिंदू होने पर गर्व करना चाहिए। मंच संचालन प्रवीण अग्निहोत्री एवं लोकेश गायकवाड़ ने किया।

संगम का उद्देश्य

विराट सनातन संगम का मुख्य उद्देश्य सभी जाति और समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर गांव और समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करना, मतांतरण जैसी चुनौतियों पर सामूहिक चिंतन करना और सनातन समाज को संगठित व सशक्त बनाने की दिशा में ठोस पहल करना रहा।

आयोजन में सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में धर्म राणा, दीपक श्रवण, रूपा जैन, दया साहू, सरपंच, पंचगण एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा। आयोजन की सफलता पर उपस्थित जनसमूह ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

शहीद गैंद सिंह की 201 वीं पुण्यतिथि पर बाबा साहेब सेवा संस्था ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बाबा साहेब सेवा संस्था कार्यालय में संध्या महानायक शहीद गैंद सिंह की 201वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य अतिथियों ने शहीद गैंद सिंह के बलिदान और उनके संघर्ष की गाथा पर प्रकाश डाला।

अतिथियों ने बताया कि शहीद गैंद सिंह परलकोट के भूमिया राजा थे। उन्होंने बस्तर व अबूझमाड़ क्षेत्र में अंग्रेजों तथा मराठा कर्मचारियों के अत्याचारों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था। वक्ताओं ने बताया कि 1818 में नागपुर के भोंसले शासन और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई संधि के बाद छत्तीसगढ़ सहित बस्तर क्षेत्र की शासन व्यवस्था अंग्रेजों को सौंप दी गई। इसके बाद करों में वृद्धि, लूट–खसोट और आदिवासियों के पारंपरिक हथियारों की जब्ती से जनता पर अत्याचार बढ़ गया। इन अत्याचारों के विरोध में 1824 में परलकोट क्षेत्र में गैंद सिंह के नेतृत्व में आदिवासी समुदाय ने विद्रोह किया। हजारों की संख्या में आदिवासी धनुष–बाण और भालों से लैस होकर अंग्रेज अधिकारियों और मराठा कर्मचारियों पर छापामार हमले करने लगे। इस आंदोलन में महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही।

गोटूल में बनती थी रणनीति

विद्रोही समूहों की रणनीति रात्रि में गोटूल (घोटुल) में तय की जाती थी। धौरा पेड़ की टहनियों को विद्रोह का संकेत बनाया गया था। आदिवासी दल वनों और पहाड़ियों से अचानक आक्रमण कर शत्रु पक्ष को भारी क्षति पहुंचाते थे। अंग्रेज अधिकारी एगन्यू ने चांदा (चंद्रपुर) से बड़ी सेना बुलाकर 10 जनवरी 1825 को परलकोट को घेर लिया और गैंद सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। 20 जनवरी 1825 को उनके महल के सामने ही उन्हें फांसी दे दी गई। इस प्रकार वे छत्तीसगढ़ की धरती पर अंग्रेज शासन के विरुद्ध प्रारंभिक बलिदान देने वाले महान योद्धा बने।

इतिहास में उपेक्षित रहा यह बलिदान

वक्ताओं ने कहा कि शासन–प्रशासन की उदासीनता और प्रचार के अभाव में शहीद गैंद सिंह का बलिदान लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में उपेक्षित रहा, जबकि उनका संघर्ष 1857 से बहुत पहले स्वतंत्रता के लिए था। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक तिलक पांडे, प्रमोद भारती, अध्यक्ष भवन लाल मार्कंडेय, मुकेश मार्कंडेय, सिद्धार्थ महाजन, सत्येंद्र भोयर, देवेंद्र कुमार देहारी सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

राजिम में मराठा समाज का भव्य आयोजन, रजत जयंती पर राज्य स्तरीय परिचय सम्मेलन

जीजा माता के संस्कारों से ही भारत में हुआ हिंदुत्व का पुनरुत्थान : रूपकुमारी चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

■ 53वें श्री खंडोबा वार्षिक उत्सव पत्रिका का भी हुआ विमोचन

■ खंडोबा–तुलजा भवानी मंदिर स्थापना दिवस पर सामाजिक एकजुटता का संदेश

छत्तीसगढ़ मराठा समाज रायपुर के मार्गदर्शन में जिला मराठा समाज राजिम जिला गरियाबंद के तत्वावधान में धर्म नगरी राजिम में मातंर्ड मल्हारी खंडोबा और आई तुलजा भवानी मंदिर के रजत जयंती स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्तरीय विवाह योग्य मराठा युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2026 और युवक-युवती परिचय पत्रिका के साथ ही 53 वें श्री खंडोबा वार्षिक उत्सव रतनपुर जिला बिलासपुर के पत्रिका का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद रूपकुमारी चौधरी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को याद करतें हुए बताया कि उनकी मां जीजा माता ने एक आदर्श गुरु के रूप में धर्म नीति और संस्कार के बीज बचपने में ही उन्हें दिए जिसके कारण भारत में हिन्दवी साम्राज्य के तहत सनातन धर्म का पुनरूत्थान हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं और युवक-युवतियों की सक्रिय भागीदारी की प्रसंशा करते हुए फिजूल खर्ची से बचने और विचारों की सम्पन्नता बढ़ाने पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ मराठा समाज के प्रदेश अध्यक्ष राघोबा महाड़िक ने बताया कि मातंर्ड मल्हारी खंडोबा और आई तुलजा भवानी के मंदिर की स्थापना 1990 से लेकर 2026 के मराठा समाज के सफर में मराठा समाज के सदस्यों का अतुलनीय योगदान रहा जिसके लिए छ.ग. मराठा समाज प्रति स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन समाज के कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना और सक्रिय भागीदारी करना जीवंतता को करता प्रदर्शित करता है।

ये रहे उपस्थित–कार्यक्रम में लोकेश गायकवाड़, शंभा जी घाटगे, राजेश महड़कि, दिनेश नलोड़े, अरुण घाटगे, विक्रम बाकरें, महेंद्र जाधव, सुरेन्द्र डुकरें, लोकेश पवार, नीरज इंगले, संजय ढगे, प्रलय थिटे, राजेंद्र घाटगे, देवेंद्र इंगोले,ललित महाडिक, आदर्श राव शिंदे, जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाडिक, तात्या राव शिंदे, मीता महाडिक, गंगोत्री पालकर, सोनल महाडिक, लक्ष्मी वाशिंग, सहित रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग मिलाई, जगदलपुर, कांकेर, कोरबा जिलों के समाज प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में पहुंचे थे।

पेज 11 के शेष

कांग्रेस का आरोप...

शंकराचार्य को निशाना बनाया जा रहा है,कांग्रेस ने इसे असहिष्णुता का उदाहरण बताया।

यह बातें बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कहीं। इस दौरान ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला,वरिष्ठ कांग्रेसी अंगद त्रिपाठी, नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव, सूर्यापानी, वीरेंद्र परिहार, महामंत्री जाहिद हुसैन,महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद,यूका अध्यक्ष निकेत राज झा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस के प्रमुख आरोप- कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य को शाही स्नान से रोकना सनातन परंपरा का अपमान है। समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार, बातचीत के प्रयास न करना और अनशन की स्थिति तक पहुंच जाना प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाता है। पार्टी ने सवाल उठाया कि जब परंपराओं का सम्मान सदियों से होता आया है, तो आज उन्हें तोड़ने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस ने इसे धार्मिक आस्था से खिलवाड़ बताते हुए सरकार से सार्वजनिक माफी और सम्मानजनक समाधान की मांग की।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर...

रोकथाम और मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा विभाग द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, तथा महिलाओं और बच्चों से संबंधित विभिन्न कानूनों, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, पोक्सो अधिनियम 2012, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 और दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, की जानकारी भी उपस्थित बालिकाओं और महिलाओं को दी गई। कार्यक्रम में जिला समन्वयक सरिता देशमुख, संरक्षण अधिकारी आईसीपीएस रवि शंकर सनाड्या, आईसीपीएस संरक्षण अधिकारी शशिकांत झा, काउंसलर योगेश ठाकुर, विद्यालय के प्राचार्य कुमार मरकाम, शिक्षकगण तथा चाइल्डलाइन टीम के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

हादसों में घायलों व...

नि:शुल्क रक्तदान कर आम जरुरतमंद के जीवन की रक्षा के लिए समर्पित किए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना होने वाले व्यक्ति को चोट लगने के कारण शरीर से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण जान जाने का खतरा भी बना रहता है। इसलिए किसी भी जरुरतमंद व्यक्ति को रक्त के कमी का सामना न करना पड़े और समय पर उन्हें रक्त उपलब्ध हो और उसकी जीवन बचाई जा सके यही आज के कार्यक्रम का मुख्य उद्धेश्य था। रक्तदान के दौरान एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एएसपी महेश्वर नाग, सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद, ब्लड बैंक प्रभारी मेडिकल आफिसर डॉक्टर वीरेंद्र ठाकुर ठाकुर, यातायात प्रभारी मधुसूदन नाग, आरआई, अभिजीत सिंह भदौरिया, कोतवाली थाना प्रभारी भोला सिंह राजपूत, एएसआई राजकुमार आड़ील, यतेंद्र देवांगन, प्रकाश देवांगन व अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

गंगामुंडा बस्ती में उमड़ा...

उपस्थित जनों में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ। अंत में आयोजकों द्वारा सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान प्रकाश यादव,नीरज चौहान, रिजित साहू, अनीता साहू, बटोही शर्मा,अशोक शर्मा,गोल्डी सहनी,संतोष यादव,रवि शर्मा समेत बड़ी संख्या में सनातनी सम्मलित हुए। गंगा मुंडा बस्ती में आयोजित यह हिंदू सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की एक मजबूत पहल के रूप में सामने आया। यहां समाज को एकजुट रहने, अपनी जड़ों से जुड़े रहने और आने वाली पीढ़ियों को संस्कारों से जोड़ने का संदेश दिया गया।

खबर संक्षेप

किसानों को परेशान करना सरकार की मंशा : महेश

सुकमा। धान खरीदी को लेकर किसानों की परेशानी थमने का नाम नहीं ले रही है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम ने सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि धान खरीदी शुरू होने के बाद से ही किसानों को लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान केवल किसान नहीं, बल्कि देश का अन्नदाता है, लेकिन उसी अन्नदाता के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। कुंजाम ने कहा कि किसान अपनी मेहनत से उपजाए गए धान को खुशी-खुशी बेच भी नहीं पा रहा है। हालत यह है कि किसानों को धान बेचने के लिए सड़कों पर बैठने और आंदोलन करने को मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो सरकार अन्नदाताओं को सड़क पर लाकर संघर्ष के लिए मजबूर करती है, उसे नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। इससे बड़ा अन्याय किसानों के साथ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि किसान केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ही अन्न उत्पादन नहीं करता, बल्कि देश की सुरक्षा में तैनात जवानों से लेकर गरीब और अमीर तक, हर नागरिक का पेट भरने के लिए दिन-रात मेहनत करता है। ऐसे अन्नदाताओं के साथ यदि दुर्व्यवहार होता है, तो यह किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है।
जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया, इसके बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हो रहा है।
किसानों को कभी टोकन, कभी दस्तावेज और कभी दूसरे नियमों के नाम पर रोका जा रहा है। हर दिन नए-नए नियम बताए जा रहे हैं, जिससे किसान असमंजस और तनाव में हैं। उन्होंने बताया कि अब भी सैकड़ों किसानों का टोकन नहीं कट पाया है, जिससे उनकी बेचैनी बढ़ती जा रही है। कर्ज में डूबे किसानों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है, क्योंकि समय पर धान नहीं बिकने से उनकी आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं।

निधन

सुरेखा सामंत

जगदलपुर। शहर के सामंत सदन रोड स्थित सुभाष वार्ड निवासी स्व. काशीनाथ सामंत के तृतीय पुत्री सुश्री सुरेखा सामंत (57) का असमायिक निधन मंगलवार रात लगभग 11 बजे रायपुर में इलाज के दौरान हो गया। हार्टअटैक के बाद 5 दिन पहले उन्हें रायपुर के एक निजी अस्पताल में बेहतर उपचार के लिए भर्ती किया गया था। मृतका को बुधवार सुबह 7 बजे जगदलपुर लाया गया। अंतिम यात्रा न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवास से सुबह 9.30 बजे मुक्तिधाम के लिए निकली। खड़गघाट स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे मां, दो भाई संजय सामंत, संदीप सामंत एवं 4 बहन शारदा महापात्र, डॉ.सुषमा झा, सरला रथ एवं सुमित्रा सामंत सिंह को पीछे छोड़ गई। वे वरिष्ठ पत्रकार अनिल सामंत की चचेरी बहन थी।

राजकुमार नत्थानी

जगदलपुर। शहर के सुभाष वार्ड ब्राम्हणपारा निवासी राजकुमार नत्थानी (65) का मंगलवार की रात असमायिक निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे, उनका उपचार रायपुर के एक निजी हॉस्पिटल में चल रहा था, जहां चिकित्सकों ने घर ले जाने की सलाह दी। बुधवार तड़के ढाई बजे अपने आवास में अंतिम सांस ली। बुधवार दोपहर साढ़े 3 बजे उनका अंतिम संस्कार प्रवीण वार्ड स्थित खड़कघाट मुक्तिधाम में किया गया। जहां परिवारजनों के अलावा समाज के लोग एवं गणमान्य नागरिक सम्मलित हुए। वे अपने पीछे पत्नी समेत 2 पुत्री, 3 पुत्र समेत नाती-पोतों से भरापूरा परिवार छोड़ गए।

बस्तर पंडुम बना समरसता और संस्कृति का उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

- प्रतिभागियों को मिला पौष्टिक भोजन, कलेक्टर, एसपी ने जनप्रतिनिधियों संग किया सामूहिक भोज

बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को समर्पित बस्तर पंडुम का आयोजन अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस सांस्कृतिक महोत्सव में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों एवं दर्शकों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए स्वच्छ, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई, जिससे सभी कलाकारों, ग्रामीण प्रतिभागियों एवं आगंतुकों ने संतोष व्यक्त किया। आयोजन समिति द्वारा भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं समयबद्ध वितरण पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संबित मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ जितेन्द्र यादव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों के साथ सामूहिक भोजन कर आपसी भाईचारे, समरसता एवं समानता का संदेश दिया। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का यह संवेदनशील एवं प्रेरणादायक कदम प्रतिभागियों के लिए उत्साहवर्धन का स्त्रोत बना।

बस्तर पंडुम न केवल लोककला, नृत्य, गीत और परंपराओं के संरक्षण का सशक्त मंच बना, बल्कि सामाजिक एकता और प्रशासन जनसंपर्क का भी जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे बस्तर की पहचान और गौरव को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला बताया। कुल मिलाकर, बस्तर पंडुम का यह सफल आयोजन सांस्कृतिक चेतना, जनसहभागिता एवं सकारात्मक प्रशासनिक पहल का उत्कृष्ट उदाहरण सिद्ध हुआ।

सोना राम ने कीटों के नुकसान से पाया निजात

दंतेवाड़ा। गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम कटूलनार के निवासी सोना राम मुडामी उन किसानों में से हैं, जिन्होंने यह समझ लिया है कि आज के समय में खेती केवल हल चलाने का नाम नहीं है, बल्कि तकनीक, समझ और समय के साथ चलने की कला है। इसी सोच के साथ उन्होंने सीमित भूमि में भी अधिक उत्पादन, कम लागत और सुरक्षित खेती का रास्ता चुना और 0.50 हेक्टेयर में बहुफसली जैविक मॉडल मुड़ामी द्वारा 0.50 हेक्टेयर क्षेत्र में मुख्य फसल के रूप में टमाटर लगाया गया है। इसके साथ-साथ जैविक पद्धति से मूली, लाल भाजी,पालक की मिश्रित खेती की जा रही है। इस बहुफसली मॉडल से भूमि का अधिकतम उपयोग हो रहा है। अलग-अलग समय पर फसल तैयार होने से नियमित आय प्राप्त हो रही है एक फसल खराब होने पर दूसरी फसल किसान को संभाल लेती है। ड्रिप सिंचाई पानी की बचत, उत्पादन में बढ़ोतरी खेती में ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाकर यह सिद्ध किया है कि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव पौधों को आवश्यकतानुसार नमी मिलती है, खरपतवार कम उगते हैं और फसल स्वस्थ रहते है। यह प्रणाली क्षेत्र के किसानों के लिए जल संरक्षण का सशक्त उदाहरण है। इसके साथ ही सोना राम मुड़ामी ने कीटों ने निजात पाने के लिए लाईट ट्रेप कीट नियंत्रण का स्मार्ट तरीका खोजा।

कांग्रेस ने भाजपा पर जमकर बरसा

जगतगुरू शंकराचार्य को स्नान से रोकना भाजपा का हिन्दू विरोधी चरित्र : कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

- शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान

कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता को जिला अध्यक्ष सलीम रज़ा उस्मानी, महामंत्री मनीष भट्टाचार्य,महामंत्री व प्रवक्ता विमल सलाम, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विवेक देवांगन ने संयुक्त रूप से सम्बोधित करते हुए कहा कि खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदु संतों का अपमान कर रही है । आज हालात यह हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ा हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक शंकराचार्य से बातचीत का कोई प्रयास नहीं किया गया। शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक अखंड परंपरा है, सरकार ने शंकराचार्य को स्नान से रोक कर सनातन परंपरा का अपमान किया है। सरकार पिछले 12 वर्षों से केंद्र में सत्ता में है और हिंदुओं के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन आज वही सरकार शंकराचार्य एवं उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है, उनके शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शाही स्नान जैसी सदियों पुरानी परंपरा को रोकने का दुस्साहस किसी सरकार को कैसे हुआ जबकि इस परंपरा को न मुगलों ने रोका था और न ही अंग्रेजों ने। एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की जाती है। शंकराचार्य को उनकी पालकी पर जाने तक की अनुमति नहीं दी जाती। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोहन भागवत शंकराचार्य से बड़े हो गए हैं।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे कमियों पर सवाल उठाते हैं, सरकार की आलोचना करते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं, महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और कोविड काल के दौरान गंगा में तैरती लाशों का उल्लेख करते हैं। इसीलिए उनका अपमान करने पर तुली है।

ग्रामीणों की समस्याओं की मांगों पर हुई त्वरित कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

- ग्राम मदाड़ी में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

जिले के अंतिम छोर तक के ग्राम पंचायतों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जनपद पंचायत कुआकोंडा के ग्राम पंचायत मदाड़ी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने पहुंचकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ प्रदान किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान, सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को सुविधाओं से जोड़ना रहा।

ग्राम मदाड़ी में हुए शिविर में आधार कार्ड अपडेट एवं इनरोलमेंट, श्रम कार्ड तथा आयुष्मान कार्ड का वितरण के साथ-साथ गोद भराई कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 61 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें मलेरिया, बीपी एवं मधुमेह की जांच शामिल रही। शिविर में 3 आयुष्मान कार्ड बनाने के अलावा 5 आयुष्मान कार्ड ऑनलाइन प्रदान किए गए। इसके साथ ही महतारी वंदना योजना के अंतर्गत राशि आहरण कर हितग्राहियों को वितरित की गई। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी, सुमित भदौरिया, मदाड़ी सरपंच राजू, जनपद पंचायत सीईओ मुन्ना राम कश्यप एवं विभाग के विभागीय अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों में केंद्रीय अधिकारियों का सघन निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

- केंद्र सरकार की योजनाओं की जमीनी हकीकत का हुआ मूल्यांकन

ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त संचालक उमेश कुमार राम एवं सेक्शन अधिकारी पवन कुमार ने जनपद पंचायत भैरमगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत गुदमा, सकनापल्ली एवं अड़ावली का विस्तृत निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के दौरान मनरेगा अंतर्गत तालाब गहरीकरण कार्य, अमृत सरोवर निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण एवं हितग्राही मूलक डबरी निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पूर्ण एवं प्रगतिरत आवासों का निरीक्षण किया तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत सकनापल्ली में निर्माणाधीन सड़क का भी अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मनरेगा के श्रमिकों एवं हितग्राहियों, पीएमएवाई के लाभार्थियों, एनआरएलएम एवं लखपति दीदी से सीधे संवाद कर योजनाओं से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। लाभार्थियों ने योजनाओं से जीवन स्तर में आए सकारात्मक बदलाव की जानकारी साझा की।

इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत सकनापल्ली में प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभ्यर्थियों से भी संवाद किया गया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण को रोजगार एवं स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

निरीक्षण के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन, लाभार्थी संतुष्टि एवं विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का समग्र मूल्यांकन किया गया।

मनरेगा बचाओ संग्राम, कांग्रेस की निर्णायक हुंकार

गरीबों के अधिकार की लड़ाई तेज : लखेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोण्ड/घाटलोहंगा

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राजनगर में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने की साजिशों, रोजगार के अवसरों में लगातार हो रही कटौती और मजदूरी भुगतान में देरी के खिलाफ जनता को जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के राजनगर पहुंचने पर ब्लॉक अध्यक्ष शिवराम बिसाई एवं ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात आयोजित सभा में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, मजदूर, ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि मनरेगा कोई सामान्य योजना नहीं है, यह गरीबों और मजदूरों का संवैधानिक अधिकार है भाजपा सरकार सुनियोजित तरीके से इस अधिकार पर हमला कर रही है रोजगार के दिन घटाए जा रहे हैं, मजदूरी का भुगतान महीनों तक लंबित रखा जा रहा है, ताकि गरीब हताश होकर इस योजना से दूर हो जाए कांग्रेस इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी कांग्रेस हर गांव, हर मजदूर के साथ मजबूती से खड़ी है और मनरेगा को कमजोर करने की हर साजिश का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा।

बस्तर ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनरेगा ने गांवों में रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता दी है लेकिन भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आज मजदूरों को काम नहीं मिल रहा, और जो काम कर रहे हैं उन्हें समय पर मजदूरी नहीं दी जा रही यह सीधे-सीधे गरीबों के हक पर डाका है कांग्रेस मनरेगा बचाओ संग्राम के माध्यम से गांव-गांव जाकर जनता को सच्चाई से अवगत कराएगी और मजदूरों के अधिकार की लड़ाई को और तेज करेगी।

30 श्रद्धालुओं का दल अयोध्या धाम के लिए रवाना

बीजापुर। छग शासन की श्री राम लला दर्शन योजना के अंतर्गत जिले के 30 श्रद्धालुओं का एक दल सोमवार शाम अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति का वातावरण देखने को मिला। यात्रा से पूर्व प्रभारी अधिकारी दिलीप उइके ने सभी श्रद्धालुओं को शुभ यात्रा की मंगलकामनाएँ देते हुए कहा कि यह योजना आम नागरिकों को भगवान श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्रदान करने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान अनुशासन एवं आपसी सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।
श्रद्धालुओं के प्रस्थान के दौरान कलेक्टर कार्यालय परिसर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से राममय हो उठा। श्रद्धालुओं के चेहरों पर आस्था, प्रसन्नता और आध्यात्मिक उल्लास स्पष्ट रूप से झलक रहा था।
उल्लेखनीय है कि श्री राम लला दर्शन योजना के माध्यम से राज्य शासन द्वारा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम दर्शन की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ आमजन की आस्था को भी सशक्त आधार मिल रहा है।

निषाद समाज ने निकाली भव्य कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बचेली

भक्त शिरोमणि गुहा निषाद की जयंती के उपलक्ष्य में 18 जनवरी को बचेली और किरंदुल के निषाद समाज के लोगों ने लेबर कैंप से अम्बेडकर भवन तक कलश यात्रा निकाली, जिसमें बहुत अधिक संख्या में निषाद समाज के मातृशक्ति सम्मिलित हुई। साथ में अम्बेडकर भवन में भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चैतराम अटामी तथा विशिष्ट अतिथि राजू जायसवाल नगर पालिका अध्यक्ष उपस्थित रहे। उपरोक्त अवसर पर विधायक ने समाज के सेवा भाव और गौरवशाली परंपरा के विषय में सबका ध्यान आकर्षित किया। राजू जायसवाल ने समाज के लोगों को शुभकामनाओं सहित यथोचित सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर निषाद समाज के छोटे बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

न्यायालय तहसीलदार बस्तर
जिला बस्तर (छ.ग.)
-:: उद्घोषणा ::-

रा.प्र.क्र./ क / ब-121/ 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका बुधराम कश्यप पिता/पति स्व. सुखराम कश्यप जाति भतरा निवास ग्राम बालेंगा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि उसके माँ स्व. रूखनी कश्यप पिता/पति सुखराम की पिता/माता .... मृत्यु दिनांक 21.08.2016 को ग्राम बालेंगा में होना बताते हुए मृत्यु होने से जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ महिला/ संस्था को आवेदन पत्र के संबंध में आपत्ति पेश करना हो तो वे नियत तिथि 04.02.2026 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पद मुद्रा सहित जारी किया।

मुहर — तहसीलदार बस्तर

न्यायालय तहसीलदार बस्तर
जिला बस्तर (छ.ग.)
-:: उद्घोषणा ::-

रा.प्र.क्र./ क / ब-121/ 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका बुधराम कश्यप पिता/पति स्व. सुखराम कश्यप जाति भतरा निवास ग्राम बालेंगा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि उसके पिता स्व. सुखराम कश्यप पिता/पति गागरा की पिता/माता .... मृत्यु दिनांक 17.02.2018 को ग्राम बालेंगा में होना बताते हुए मृत्यु होने से जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ महिला/ संस्था को आवेदन पत्र के संबंध में आपत्ति पेश करना हो तो वे नियत तिथि 04.02.2026 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पद मुद्रा सहित जारी किया।

मुहर — तहसीलदार बस्तर

शपथ पत्र

मैं श्री भगत सिंह ठाकुर पिता स्व. साधू राम जाति धाकड़ निवासी ग्राम पखनार पाईकपारा तहसील दरभा जिला बस्तर छ.ग. निम्न कथन करता हूं।

1. यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूं।
2. यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्र 9766 1353 7096 पर उसका दर्ज नाम अशवंत ठाकुर/ ASHAVANTH THAKUR जो कि त्रुटिवश असत्य व गलत है।
3. यह कि पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र उसका दर्ज नाम YASHWANT THAKUR/ यशवंत ठाकुर जो कि सत्य व सही है।
4. यह कि पुत्र के आधार कार्ड में उसके जन्म प्रमाण पत्र अनुसार उसका नाम YASHWANT THAKUR/ यशवंत ठाकुर दर्ज करवाना है।
5. यह कि उक्त शपथ पत्र पुत्र के आधार कार्ड में नाम परिवर्तन/सुधार करने के समर्थन में प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

खबर संक्षेप

रामलला दर्शन के लिए 87 तीर्थयात्री अयोध्या धाम रवाना

जगदलपुर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत सोमवार की शाम बस्तर जिले में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। टाउन हॉल के समक्ष 87 तीर्थयात्रियों के जत्थे को प्रभु श्रीराम के दर्शन हेतु अयोध्या धाम के लिए रवाना किया गया। बस के रवाना होने से पूर्व वहां का माहौल पूरी तरह राममय हो गया था। जयकारों की गूंज के साथ रवाना हुए श्रद्धालुओं के चेहरों पर रामलला के दर्शन की उत्सुकता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। इस विशेष अवसर पर महापौर संजय पांडे, सभापति खेम सिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर तीर्थयात्रियों का उत्साह बढ़ाया। अतिथियों ने सभी यात्रियों को पुष्प भेंट कर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा रामलला दर्शन योजना समिति के सदस्य रामाश्रय सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के

बस्तर में साक्षरता का महोत्सव

बस्तर। राज्य साक्षरता मिशन के निर्देशानुसार 26 जनवरी को ब्लॉक बस्तर के सभी ग्रामों में उल्लास मेला का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जनपद पंचायत बस्तर के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य, संकुल समन्वयक और ग्राम प्रभारी को संबोधित करते हुए सहायक खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार तिवारी ने उल्लास मेला का आयोजन शत प्रतिशत करने के निर्देश दिए। उल्लास मेला में सभी चिन्हांकित निरक्षरों को उपस्थित करवाकर स्टाल लगाकर उनके द्वारा गतिविधि का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया। मास्टर ट्रेनर कैलास विश्वकर्मा और गोमती यादव ने उल्लास मेला के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

गीत गाकर सुनाने से बच्चों का होता है ध्यान केंद्रित : बुधराम

दरभा। बस्तर जिले के विकासखंड दरभा अन्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिन्दबहार में पढ़ाई की शुरुआत किताब खोलने से नहीं, बल्कि गीत से होती है। संस्था में पदस्थ व्याख्याता और लोक कलाकार बुधराम कश्यप का कालखंड की शुरूआत प्रतिदिन इसी माध्यम से करते है। उन्होंने बताया कि पढ़ाई शुरुआत कराने के पहले स्थानीय बोली हल्बी में गीत गाकर सुनाने से बच्चों का पूरा ध्यान केंद्रित हो जाता है। गीत से बच्चों के चेहरों में उत्सुकता देखने को मिलता है। कक्षा में एक खुशनुमा माहौल बनने के बाद व्याख्याता द्वारा पाठ की पढ़ाई की शुरुआत कराया जाता है।

छत्तीसगढ़ बचाओ बस्तर बचाओ यात्रा के साथ आप ने झोंकी ताकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग में आगामी पंचायत एवं नगर पंचायत चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। छत्तीसगढ़ बचाओ बस्तर बचाओ यात्रा के माध्यम से पार्टी ने न केवल संगठनात्मक विस्तार की शुरुआत की बल्कि नई जिम्मेदारियों की घोषणा कर चुनावी मोर्चे पर पूरी ताकत झोंकने का संकेत भी दे दिया। इस अभियान का नेतृत्व बस्तर संभाग की प्रभारी समीर खान कर रही हैं, जिनके नेतृत्व में पार्टी गांव-गांव और पंचायत स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने में जुट गई है। यात्रा के दौरान आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट किया कि इस बार वह बस्तर में सिर्फ उपस्थिति दर्ज कराने नहीं,बल्कि सत्ता परिवर्तन के इरादे से मैदान में उतरेगी। पार्टी का दावा है कि जनता अब पारंपरिक दलों से ऊब चुकी है और एक ईमानदार, जवाबदेह विकल्प की तलाश में है। इसी क्रम में संगठन को मजबूत करने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में नई जिम्मेदारी सौंपी गईं, ताकि स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनावी रणनीति तैयार की जा सके।

समीर खान ने जनसंवाद के दौरान कहा कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी केजरीवाल मॉडल को गांव-गांव और पंचायत स्तर तक पहुंचाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि लोगों से बातचीत में साफ झलक रहा है कि इस बार जनता बदलाव चाहती है और पंचायत व नगर पंचायत

चुनावों में आम आदमी पार्टी का परचम लहराने का मन बना चुकी है।

उन्होंने बीजापुर क्षेत्र की घटनाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि गरीबों के मकान तोड़े जा रहे हैं, जबकि भाजपा डबल इंजन सरकार का दावा करती है और कांग्रेस के विधायक वर्षों से वहीं रहते हुए भी जनता को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दिला पाए। आज हालात यह हैं कि लोगों को टैंकर से पानी पीना पड़ रहा है, जो शासन-प्रशासन की असंवेदनशीलता को उजागर करता है।

भैरमगढ़ क्षेत्र की बदहाली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां न तो बस स्टैंड जैसी बुनियादी सुविधा है और न ही पार्किंग की कोई व्यवस्था। सड़क किनारे वाहन खड़े रहते हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी होती है। इसके बावजूद, वहां वर्तमान और पूर्व विधायकों के निवास होने के बाद भी जनता की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही सिर्फ चुनावी वादों तक सीमित हैं।

आम आदमी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि बस्तर के अंदरूनी इलाकों में आज भी स्वच्छ पेयजल की भारी कमी है। करोड़ों रुपये खर्च कर पानी टंकियां तो लगाई गईं, लेकिन कई जगह फिल्टर तक नहीं हैं, जो बड़े स्तर के भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। पार्टी का कहना है कि इस भ्रष्टाचार में जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारी तक शामिल हैं, और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि भोपालपटनम और भैरमगढ़ के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जाएगी ताकि स्थानीय जरूरतों और मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ा जा सके। आम आदमी पार्टी ने दो टूक कहा कि उसका लक्ष्य भाजपा और कांग्रेस दोनों को हराकर जनता की सच्ची आवाज बनना है।

9 अगस्त 2021 को विधिवत निर्माण कार्य की हुई थी शुरुआत

आदिवासी विश्राम भवन का अधूरा निर्माण बड़ी समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

आदिवासी विश्राम भवन जगदलपुर का निर्माण कार्य वर्षों से अधूरा पड़े रहने के कारण आदिवासी समाज को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भवन का निर्माण नहीं होने से आदिवासी समाज को विभिन्न शासकीय कार्यालयों में

- **आदिवासी हितों को नहीं दी जा रही प्राथमिकता**

कागजीय प्रक्रिया, न्यायालयीन कार्य, प्रशासनिक सुनवाई एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए शहर आने पर ठहरने की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

इस स्थिति को लेकर आदिवासी समाज में सरकार एवं प्रशासन के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। आदिवासी विश्राम भवन के अधूरे निर्माण को लेकर एक बार फिर

विवाद गहराता नजर आ रहा है। इस संबंध में संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 13 नवंबर 2021 को तत्कालीन बस्तर कलेक्टर द्वारा भवन निर्माण स्थल पर डिस्मेंटल (ध्वस्तीकरण) की कार्रवाई के लिए आदेश जारी किया गया था, जिसके चलते निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी। इससे पहले अगस्त माह 2021 में तत्कालीन मंत्री कवासी लखमा द्वारा आदिवासी विश्राम भवन निर्माण की घोषणा की गई थी और इसके लिए 4 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। 9 अगस्त 2021 को विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत भी की गई थी। प्रकाश ठाकुर ने आगे बताया कि इसके पश्चात बस्तर के आदिवासी नेता राजा राम तोड़ेम और दशरथ कश्यप द्वारा इस निर्माण कार्य को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए बस्तर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस मामले की सुनवाई वर्ष 2022 में कलेक्टर न्यायालय में हुई, जहां सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले का निराकरण किया गया। इसके बाद डिस्मेंटल की कार्रवाई पूरी की गई और पुनः निर्माण कार्य शुरू किया गया। बाद में न्यायालय, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बस्तर द्वारा 22 सितंबर 2022 को आदेश पारित करते हुए आदिवासियों के हितों की रक्षा के तहत आदिवासी विश्राम भवन निर्माण की स्पष्ट अनुमति प्रदान की गई।इसके बावजूद आरोप है कि बस्तर के कुछ जिम्मेदार नेताओं द्वारा बार-बार विश्राम भवन का कार्य रुकवाया जा रहा है, जो आदिवासी समाज के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार है। प्रकाश ठाकुर ने आरोप लगाया कि बस्तर के स्थानीय सांसद एवं विधायक न तो वन अधिकार मान्यता कानून के अंतर्गत आदिवासियों को पट्टा देने का कार्य कर रहे हैं और न ही पेसा कानून के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके विपरीत बाहरी उद्योगपतियों और व्यापारियों को संरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही आदिवासियों को सामुदायिक वन संसाधन दावा पत्र भी नहीं दिए जा रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी हितों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही। वहीं, सर्व आदिवासी समाज बस्तर संभाग युवा प्रभाग के अध्यक्ष संतु मौर्य ने बताया कि आदिवासी विश्राम भवन जगदलपुर का निर्माण कार्य पिछले कई वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। दूर-दराज के गांवों से आने वाले आदिवासी समाज के लोगों को ठहरने, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से बस्तर दशहरा जैसे महत्वपूर्ण पर्व के दौरान देवी-देवताओं के साथ आने वाले सिरहा-पुजारी, मांझी-चालकी एवं समाज के अन्य लोगों के लिए यही विश्राम भवन प्रमुख ठहराव स्थल होता है।

परीक्षा परिणाम सुधारने लागू हुआ मेंटर और ब्लूप्रिंट का नया फार्मूला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षा की तस्वीर बदलने और आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए शिक्षा विभाग ने एक व्यापक और महत्वाकांक्षी कार्ययोजना तैयार की है। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर हरिस एस और सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि पढ़ाई के तरीके में परिवर्तन के साथ ही छात्रों के रिजल्ट तैयार करने के गणित में भी बड़ा और अहम बदलाव किया गया है।

इस नए आदेश के तहत सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मूल्यांकन प्रणाली में किया गया है। अब छात्रों के रिपोर्ट कार्ड में साल भर की मेहनत दिखेगी। जारी निर्देशों के मुताबिक कक्षा पहली से चौथी और छठवीं-सातवीं के वार्षिक नतीजों में अब तिमाही और छमाही परीक्षाओं के 20-20 प्रतिशत अंक अधिभार के रूप में जुड़ेंगे, जबकि वार्षिक परीक्षा का भार 60 प्रतिशत रहेगा। वहीं कक्षा 5 वीं और 8 वीं की बोर्ड कक्षाओं के साथ-साथ 9 वीं और 11 वीं के वार्षिक परिणामों में छमाही परीक्षा के 30 प्रतिशत और वार्षिक परीक्षा के 70 प्रतिशत अंकों को जोड़कर अंतिम परिणाम तैयार किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने बताया कि कलेक्टर हरिस एस और सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन के सतत मार्गदर्शन के अनुरूप जिले में हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट नतीजे हासिल करने के लिए कार्ययोजना तैयार किया गया है और इस दिशा में मिशन डिस्टिंक्शन के तहत कड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। जिसके तहत अर्द्धवार्षिक परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक हासिल करने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं के लिए एक मेंटर की नियुक्ति कर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने सहित संबंधित छात्र-छात्रा को समुचित अध्यापन करवाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान मेंटर द्वारा संबंधित छात्र-छात्रा की लिखावट, भाषा शैली एवं अन्य कमियों को दूर करने सकारात्मक प्रयास किया जाएगा। इसी तरह अन्य विषयों के परीक्षार्थियों की दिक्कतों को भी फोकस कर समाधान करने पहल किया जाएगा। पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद बीते 05 वर्षों के प्रश्न पत्रों का हल करने का अभ्यास भी इन परीक्षार्थियों को करवाया जाएगा। जिससे जिले के अधिकाधिक परीक्षार्थी मेरिट सूची में अपना स्थान हासिल कर सके। इसके अलावा यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कम से कम 5 प्रतिशत परीक्षार्थी 80 फीसदी से अधिक अंक लाएं और तृतीय श्रेणी या पूरक आने वाले परीक्षार्थियों की संख्या न्यूनतम से न्यूनतम हो।

खगेन्द्र पाढ़ी ने विकासखंड बकावंड का बढ़ाया गौरव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विकासखंड बकावंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढरेपाल में पदस्थ शिक्षक खगेन्द्र पाढ़ी ने अपने नवाचारपूर्ण शिक्षण प्रयोगों से न केवल विद्यार्थियों के सीखने के तरीके को नई दिशा दी, बल्कि पूरे विकासखंड का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित किया है। पारंपरिक पढ़ाई से आगे बढ़कर

- **नवाचारपूर्ण शिक्षण से रचा राज्यस्तरीय पहचान**

उन्होंने बच्चों को खेल,नई शिक्षा पद्धति,मॉडल मेकिंग और ड्रामा जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा,जिससे शिक्षा को बोझ नहीं बल्कि आनंदमय अनुभव बनाया जा सके। खगेन्द्र पाढ़ी द्वारा विनोबा ऐप के माध्यम से इन सभी गतिविधियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा तैयार किए गए वीडियो और कंटेंट को व्यापक

सराहना मिली, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आधुनिक तकनीक का सही उपयोग कर शिक्षा को अधिक प्रभावी,रोचक और व्यावहारिक बनाया जा सकता है। इसी नवाचारपूर्ण प्रयास के कारण उन्हें पोस्ट ऑफ द मंथ का सम्मान प्राप्त हुआ, जो उनकी सृजनात्मक सोच और समर्पण का प्रमाण है। उनके इस कार्य का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास,रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करना है। यह पहल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है और अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है।इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए खगेन्द्र पाढ़ी को जिला कलेक्टर एस हरिश द्वारा एजुकेशन हीरो इन एक्शन बैग एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सुकमा में पेंशनरों की नई ताकत महासंघ को मिली सशक्त जिला इकाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की सुकमा जिला स्तरीय बैठक सोमवार को कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती, नई कार्यकारिणी का गठन और अधिक से अधिक पेंशनरों को महासंघ से जोड़ना रहा। इस अवसर पर प्रांतीय

- **संगठन विस्तार और आजीवन सदस्यता अभियान पर दिया गया विशेष जोर**

अध्यक्षता में संगठन की दिशा और भविष्य की रणनीतियों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने पेंशनरों के अधिकारों, सामाजिक सम्मान और संगठन की राष्ट्रीय पहचान को लेकर विस्तार से जानकारी दी। पेंशनरों को संबोधित करते हुए बताया गया कि संगठन ने लंबे संघर्ष के बाद गोविंदपुरा, भोपाल स्थित सेंट्रल प्रोसेसिंग सेल को रायपुर स्थानांतरित कराने में

सफलता हासिल की है, जो छत्तीसगढ़ के पेंशनरों के लिए बड़ी राहत और उपलब्धि है।

वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि संगठन की वास्तविक ताकत उसकी संख्या और एकजुटता में होती है। अधिक से अधिक पेंशनर साथियों को आजीवन सदस्य बनाकर संगठन से जोड़ने का आह्वान किया गया, ताकि भविष्य में किसी भी समस्या के समाधान के लिए सामूहिक आवाज और मजबूत मंच उपलब्ध हो सके।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ही एकमात्र ऐसा संगठन है,जिसकी पहचान और उपस्थिति देशभर में है। इससे जुड़ने पर पेंशनरों को न केवल स्थानीय,बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी संवाद और सहयोग का अवसर मिलता है। इस अवसर पर संगठन के दिवंगत पदाधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित सभी पेंशनरों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया। वातावरण भावनात्मक होने के साथ-साथ संगठनात्मक संकल्प से भी भरा रहा। बैठक में सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद पर एस कासिमुद्दीन को चुना गया। सचिव के रूप में अल्फ्रेड सूना,कोषाध्यक्ष के रूप में प्रभाकर दास और उपाध्यक्ष के रूप में राम कुमारी नेताम को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान ई नरसिंह स्वामी,कुंभकर्ण सिंह ध्रुव, गोकुल राम साहू, तुलसी राम वर्मा,जेठ राम साहू,ई रामचंद्र राव, कमल सायं भद्रे,भबेश चंद्र मंडल, रेजिना दर्रो,राधा नेताम, दीपिका सिंह,जेमा कन्नौजिया और हेमंती कालोनी सहित अनेक पेंशनर साथी मौजूद रहे।

यह जानकारी संभागीय अध्यक्ष राम नारायण ताटी ने दी। सुकमा की बैठक में पेंशनरों ने यह संकल्प लिया कि महासंघ को केवल एक संगठन नहीं,बल्कि पेंशनरों की आवाज और अधिकारों का मजबूत मंच बनाया जाएगा। इसके लिए गांव-गांव, वार्ड-वार्ड संपर्क अभियान चलाकर नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा,आजीवन सदस्यता को बढ़ावा दिया जाएगा और समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक दबाव की रणनीति अपनाई जाएगी।

भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति कर रही : हरीश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

देश के प्रमुख सनातन धर्मगुरु शंकराचार्य के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर सुकमा जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरीश लखमा ने योगी सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 14 जनवरी को उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य जैसे महान धर्मगुरु के साथ जो व्यवहार हुआ, वह पूरे सनातन समाज का अपमान है। कांग्रेस पार्टी इसकी कड़ी निंदा करती है। भाजपा खुद को सबसे बड़ा सनातन और धर्मरक्षक बताती है, लेकिन शंकराचार्य जैसे धर्मगुरु के साथ हुआ व्यवहार भाजपा के दावों की पोल खोलता है। केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है। सोशल मीडिया पर यह प्रचार किया जाता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हिंदू सुरक्षित हैं, लेकिन जब धर्मगुरु ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम हिंदू की

सुरक्षा का दावा कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर पूरे देश में प्रेसवार्ता कर विरोध दर्ज कराया और चेतावनी दी कि यदि संतों और धर्मगुरुओं के सम्मान से जुड़े मामलों पर सरकार जवाबदेह नहीं बनी, तो पार्टी आंदोलन का रास्ता भी अपनाएगी। जिला अध्यक्ष हरीश लखमा ने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति करती है और समाज को आपस में लड़ाकर सत्ता की रोटियां सेंकती है।

दवा विक्रेताओं ने किए महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिला दवा विक्रेता संघ द्वारा अपने सदस्यों के लिए आयोजित धार्मिक,सांस्कृतिक एवं पर्यटन यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस यात्रा के अंतर्गत संघ से जुड़े

- **बस्तर जिला दवा विक्रेता संघ की पहल,30 सदस्यों ने लिया धर्मलाभ**

लगभग 30 दवा दुकान संचालकों ने महाप्रभु जगन्नाथ धाम पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ धर्मलाभ प्राप्त किया।

संघ का कहना है कि इस तरह की यात्राएं केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहतीं,बल्कि सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल, सहयोग की भावना और मानसिक

सशक्तता को भी मजबूती देती हैं। भागदौड़ भरी दिनचर्या से कुछ समय निकालकर सामूहिक रूप से ऐसे आयोजनों में शामिल होना सदस्यों के लिए ऊर्जा और सकारात्मकता का स्रोत बनता है।

यह यात्रा 14 जनवरी से प्रारंभ होकर 18 जनवरी को संपन्न हुई। इस दौरान विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया। ठहरने,भोजन और आवागमन की समुचित व्यवस्था की गई,जिससे सभी सदस्य संतुष्ट नजर आए। यात्रा के समापन के बाद सभी प्रतिभागी सकुशल जगदलपुर लौटे।

संघ ने इस आयोजन को संगठनात्मक एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक,सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाएगा, ताकि सदस्यों के बीच सौहार्द और संगठन की मजबूती बनी रहे। इस सफल आयोजन में संघ के अध्यक्ष प्रशांत सरडे,सचिव सतीश शुक्ला, आयोजनकर्ता एवं कोषाध्यक्ष रोहित महापात्र, उपाध्यक्ष असद खान,सहसचिव दिनेश पांडेय,पीआरओ योगेश तिवारी,कार्यकारिणी सदस्य अनिल मालवीय,दीपक पांडेय, आशीष सरडे,आलोक हरजपाल सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आए सभी सदस्य शामिल रहे।

बस्तर जिला दवा विक्रेता संघ द्वारा आयोजित यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि संगठनात्मक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश भी है। सामूहिक दर्शन,आपसी संवाद और साझा अनुभवों से सदस्यों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत हुई। संघ का मानना है कि इस तरह के आयोजनों से न केवल मानसिक सुकून मिलता है,बल्कि संगठन और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी प्रबल होता है।

online Booking:-www.tripuryatra.com

19 मार्च, 09 अप्रैल, 07 मई
21 मई, 04 जून 2026 (10 दिन)

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप)
मां मनोकामना देवी, पशुपतिनाथ, जनकपुर (सीता मैया का जन्म स्थान),
पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक),
राशि:-स्लीपर 13,500/-, 3 एसी 22,500/-, 2 एसी 25,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411